

**विद्यार्थियों को विज्ञान की ओर आकर्षित व प्रेरित करने के लिए
सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में खुला दिवस (ओपन डे) का आयोजन**

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, (सीरी) में 22 सितंबर 2016 को खुला दिवस (ओपन डे) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिलानी व निकटवर्ती विद्यालयों व अन्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों व शिक्षकों को संस्थान में आमंत्रित किया गया। सीएसआईआर-सीरी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित किए गए खुला दिवस (ओपन डे) में इन स्कूलों व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों व शिक्षकों को सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी दिखाई गई। औद्योगिक प्रदर्शनी का उद्घाटन स्थापना दिवस समारोह के उपरांत दिनांक 21 सितंबर 2016 को माननीय मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा उपाध्यक्ष, सीएसआईआर द्वारा किया गया था।



21 सितंबर 2016 को प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर



जायरोट्रॉन प्रौद्योगिकी के बारे में समझाते हुए श्री ओम रजन, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी

प्रदर्शनी में आए विद्यार्थियों को संस्थान के वैज्ञानिकों ने सरल व सहज भाषा में सीरी द्वारा विकसित इन प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी तथा समाज व देश के लिए इनके लाभों को भी बताया। 'ओपन डे' के अवसर पर संस्थान में कई स्थानीय एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने संस्थान का भ्रमण किया। आयोजन का उद्देश्य

स्कूली विद्यार्थियों को सीरी के वैज्ञानिक क्रियाकलापों की जानकारी देना तथा उन्हें विज्ञान व प्रौद्योगिकी की ओर आकर्षित करना था। संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम को भारत सरकार के कौशल विकास मिशन (स्किल इंडिया मिशन) की दिशा में संस्थान का एक सार्थक प्रयास माना जा सकता है।



छात्राओं व शिक्षकों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित पर्यावरण मॉनीटरिंग के बारे में बताते हुए श्री प्रमोद तैवर, वैज्ञानिक

स्टाल्स का विवरण -

प्रदर्शनी में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से आए विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शोध क्षेत्रों की स्टॉल लगाई गई थी -

- ✓ 'सेमिकंडक्टर क्षेत्र - (1) सेन्सर व नैनोटेक्नोलॉजी, (2) मेम्स व माइक्रोसेन्सर (3) आई सी डिजाइन (4) ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़
- ✓ इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स क्षेत्र - (1) हाई वोल्टेज पल्स पावर सप्लाय (2) 3-डी एन्डोस्कोप/एयर प्यूरीफायर मेम्स व माइक्रोसेन्सर (3) फलों की गुणवत्ता की जाँच तथा प्रदूषण संसूचन (4) सोलर पंप इन्वर्टर फॉर पंपिंग एप्लिकेशन्स / ग्रिड इनवर्टर
- ✓ इलेक्ट्रॉनिक ट्यूब्स क्षेत्र - (1) मैग्नेट्रॉन, क्लायस्ट्रॉन, कपलर्स, कैथोड्स (2) प्लाज़्मा स्विचेज़, चल तरंग नलिकाएँ
- ✓ डेयरी इन्स्ट्रुमेन्टेशन - दूध में मिलावट का पता लगाने के लिए विकसित क्षीर स्कैनर/क्षीर टेस्टर
- ✓ पेय जल मिशन - स्वच्छ पेयजल हेतु पारा मुक्त प्लाज़्मा यूवी लैंप
- ✓ इंटरनेट ऑफ थिंगज़
- ✓ स्वास्थ्य सुरक्षा - हेल्थ केयर में संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियाँ, गैस सेंसर आदि
- ✓ पर्यावरण व कृषि इलेक्ट्रॉनिकी
- ✓ सीरी चेन्ने केंद्र द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियाँ - मैंगो सॉर्टिंग ऑटोमेशन प्रणाली, करेन्सी सिक्योरिटी प्रणाली आदि



सीरी चेन्ने केंद्र द्वारा विकसित सोलर थर्मल सिस्टम व भारतीय मुद्रा के लिए स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली के बारे में बताते हुए वैज्ञानिक



वायरलेस सेंसर नेटवर्क के माध्यम से स्वास्थ्य मॉनीटरिंग के बारे में बताते हुए श्री अनिल सैनी, वैज्ञानिक

प्रदर्शनी में आए विद्यालय व अन्य प्रशिक्षण संस्थान

इस प्रदर्शनी से बिरला शिशु विहार - पिलानी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय - लक्ष्मणगढ़, पिलानी पब्लिक स्कूल - पिलानी, जानकीदेवी मंडेलिया स्कूल - पिलानी, बाल निकेतन सीनियर सेकंडरी स्कूल-पिलानी, बिरला स्कूल-पिलानी, सीरी विद्या मंदिर-पिलानी, राजकीय पॉलीटेक्नीक- लुहारू(हरियाणा), बिरला तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान- पिलानी(आईटीआई सेक्शन), दुर्गा पब्लिक स्कूल - पिलानी, बिरला तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान (डिप्लोमा सेक्शन), श्रीमती जमुना मिश्रा अकैडमी-पिलानी, राकेश अकादमी-पिलानी, गोयनका विद्या मंदिर - पिलानी आदि विद्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्था नों के लगभग 900 छात्र-छात्राएँ लाभान्वित हुए।



पर्यावरण मॉनीटरिंग के लिए विकसित गैस संवेदक प्रौद्योगिकी व इसकी इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में बताते हुए डॉ भाऊसाहेब बोले, वैज्ञानिक

विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में लगाई गई प्रौद्योगिकीय स्टॉल्ल्स में रुचि ली और प्रश्न पूछे। वैज्ञानिकों व उपस्थित शोध छात्रों ने इन युक्तियों व इनसे संबंधित प्रौद्योगिकियों के संबंध में आसान भाषा में उन्हें समझाया और उनकी जिज्ञासा को शांत किया। उन्होंने इन प्रौद्योगिकियों के लाभों से भी छाल-छात्राओं को अवगत कराया। विद्यार्थियों ने इसे अपने लिए विशेष अनुभव बताते हुए कहा कि यहाँ आ कर न केवल हमें संस्थान के वैज्ञानिकों से बात करने का अवसर मिला अपितु नई-नई बातों की जानकारी मिली। उन्होंने भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध भी किया। विद्यार्थियों के साथ आए शिक्षकों ने भी कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक है और ऐसे कार्यक्रम उन्हें विज्ञान को कैरियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित भी करते हैं।



सोलर माइक्रो इन्वर्टर तथा पंपिंग अनुप्रयोगों के लिए विकसित तथा प्रौद्योगिकी के बारे में समझाते हुए श्री अजीत धाकड़, वैज्ञानिक

डॉ एस अली अकबर, मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमबीडी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा संस्थान में समय समय पर भी विभिन्न स्कूल व कॉलेजों के छात्र-छात्राएँ भी संस्थान की शोध गतिविधियों व क्रियाकलापों की जानकारी लेने के लिए आते रहते हैं जिन्हें संस्थान की प्रयोगशालाओं का परिदर्शन (विजिट) कराया जाता है। उन्होंने भविष्य में भी किशोर छात्र-छात्राओं के लिए ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।